विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय- सी॰ सी॰ ए॰ दिनांक-09-10-2020

वर्ग सप्तम शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

प्यारे बच्चों !

सुप्रभातम।

आज आप लोगों को मैं शिक्षा की नई राह पर ध्यान आकर्षित करने जा रहा हूं जो करुणाकरण में भी शिक्षक का आपके मार्ग प्रशस्त करते रहे। तो आइए एक नजर ऑनलाइन की व्यवस्था पर ।

आज की वर्तमान स्थिति में बच्चे स्कूल और कॉलेजों में शिक्षा प्राप्त नहीं कर पा रहे है लेकिन ऑनलाइन शिक्षा ने रास्ता काफी आसान कर दिया है। बच्चे निश्चिंत होकर घर पर अपनी पढ़ाई पूरी कर पा रहे है। कुछ बच्चे दूर शिक्षकों के घर या कोचिंग संगठनों में जाकर पढ़ाई नहीं कर पाते है। वह ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से अपनी पढ़ाई पूरी करते है और परीक्षा देकर ऑनलाइन डिग्री हासिल कर लेते है। आजकल ज़्यादातर प्रोफेशनल कोर्सेज ऑनलाइन होती है। विद्यार्थी ऑनलाइन पढ़ते है और ऑनलाइन परीक्षा देकर अपनी निश्चित डिग्री प्राप्त कर लेते हऑनलाइन शिक्षा से हम सिर्फ भारत में ही नहीं विदेशों में दी जाने वाली ज़रूरी शिक्षा हासिल कर लेते है। इससे हमारा ज्ञान काफी विकसित होता है। ऑनलाइन शिक्षा की वजह से विद्यार्थियों को कहीं जाना नहीं पड़ता और इससे यात्रा के समय की बचत हो जाती है | अपने सुविधा अनुसार छात्र वक़्त का चुनाव कर ऑनलाइन क्लासेज में शामिल हो जाते है।

ऑनलाइन शिक्षा में विद्यार्थी शिक्षक द्वारा ली गयी क्लास को रिकॉर्ड कर सकते है। जिससे कक्षा के पश्चात विद्यार्थी रिकॉर्डिंग को पुनः सुन सकते है और कहीं शंका हो तो बेझिजक शिक्षक से दूसरे क्लास में पूछ सकते है | इससे संकल्पना यानी कांसेप्ट छात्रों को समझ आ जाता है। ऑनलाइन शिक्षा में किसी प्रकार की विषय संबंधित समस्या हो तो शिक्षक से

ऑनलाइन पूछ सकते है। इसके लिए कहीं जाने की ज़रूरत नहीं है।ऑनलाइन पढ़ाने के लिए शिक्षक ने कुछ कार्यक्रमों को फ़्लैश कार्ड और गेम जैसे बनाया है जो छात्र के सीखने के अनुभव को बढ़ाता है।

शिक्षा तो वही है बस स्वरूप बदल गया है।

अब आप लोग विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोविद -19 पर सीबीएसई के द्वारा आप लोगों को स्वास्थ्य से संबंधित कार्य दिया जा रहा है जिसे आप लोग अवश्य करें।

(1) कविता

(2) चित्रांकन की प्रस्तुति

(3) स्लोगन

जिनका स्लोगन कविता का मूल्यांकन किया जाएगा। उसे सीबीएसई बोर्ड में भेजा जाएगा।